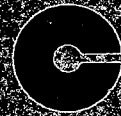
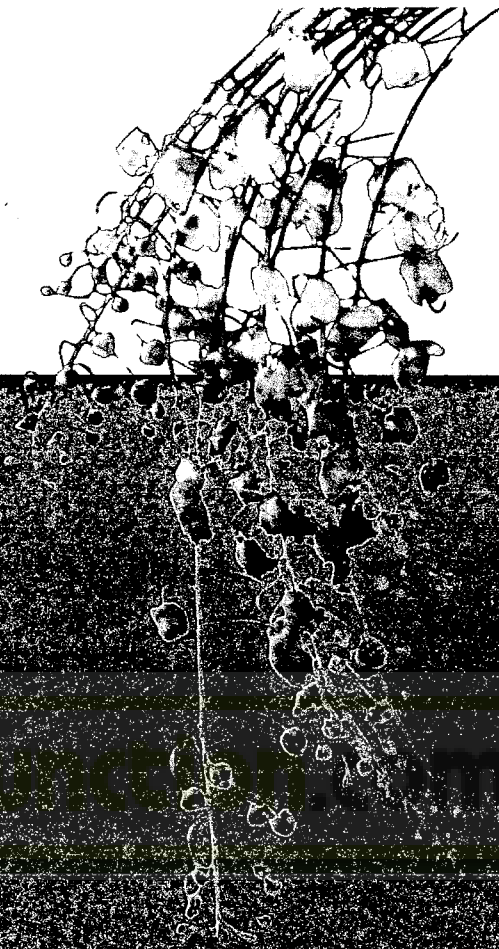
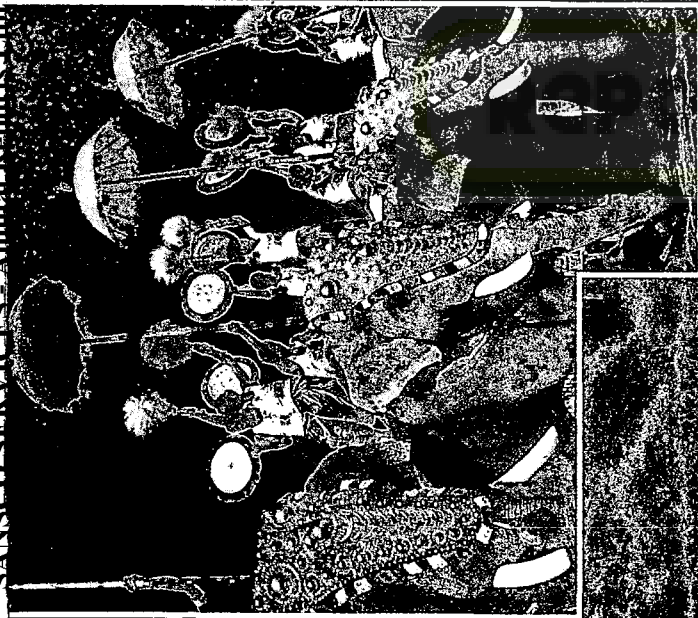


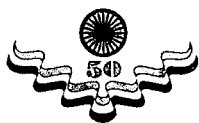
वार्षिक रिपोर्ट Annual Report 1997-98



स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर
STATE BANK OF TRAVANCORE

विषय - सूची Contents

- 1 शेयरधारियों को सूचना
Notice to Shareholders
- 2 निदेशक बोर्ड
Board of Directors
- 4 निदेशक बोर्ड की रिपोर्ट
Report of the Board of Directors
- 30 आधारभूत लेखा नीतियाँ
Principal Accounting Policies
- 38 तुलन पत्र
Balance Sheet
- 39 लाभ-हानि लेखा
Profit and Loss Account
- 41 लेखों की अनुसूचियाँ
Schedules to Accounts
- 56 लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
Auditors' Report
- 60 नकदी प्रवाह विवरण
Cash Flow Statement
- 62 पिछले तीन वर्ष....
The Last Three Years...
- 63 उत्कर्ष का सोपान....
Our Growth Through the Decades...
- 64 37 वीं वार्षिक सामान्य बैठक से
From the 37th Annual General Meeting



MD	✓		BKC	NR
CS	NR		DPY	NR
RO	NR		DIV	✓
TRA	✓		AC	✓
AGM	✓	✓	SHI	✓
YE	✓	✓		

स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर

(भारतीय स्टेट बैंक का सहयोगी)

प्रधान कार्यालय: तिरुवनन्तपुरम

State Bank of Travancore

(Associate of the State Bank of India)

Head office: Thiruvananthapuram

सूचना

NOTICE

स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर के शेयरधारियों की अठतीसवीं वार्षिक सामान्य बैठक टागोर सेन्टिनरी थिएटर, वंभुतक्काड, तिरुवनन्तपुरम 695 014 में शुक्रवार दिनांक 10 जुलाई 1998 को पूर्वाह्न 11.30 बजे (मानक समय) निम्न लिखित कार्य हेतु संपन्न होगी।

"31 मार्च 1998 को समाप्त अवधि के लिए निदेशक बोर्ड की रिपोर्ट, बैंक का तुलन पत्र एवं लाभ-हानि लेखा और बैंक के तुलन पत्र एवं लेखों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्राप्त करना।"

The thirty eighth Annual General Meeting of the Shareholders of the State Bank of Travancore will be held in the Tagore Centenary Theatre, Vazhuthacaud, Thiruvananthapuram - 695 014, on Friday, the 10th July 1998 at 11.30 am (Standard Time) to transact the following business:

"To receive the Report of the Board of Directors, the Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank made upto the 31st March 1998 and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts."

तिरुवनन्तपुरम
04-06-1998

जी. जी. वैद्य
प्रबन्ध निदेशक

Thiruvananthapuram
04.06.1998

G.G. VAIDYA
MANAGING DIRECTOR

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा
25 की उपधारा 1 के खंड (ए) के अन्तर्गत
अध्यक्ष
श्री. एम. एस. वर्मा

Under Clause (a) sub-section 1 of
Section 25 of SBI (Subsidiary Banks) Act, 1959
Chairman
Shri. M. S. Verma

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा
25 की उपधारा 1 के खंड (एए) के अन्तर्गत
प्रबंध निदेशक
श्री. जी. जी. वैद्य

Under Clause (aa) sub-section 1 of
Section 25 of SBI (Subsidiary Banks) Act, 1959
Managing Director
Shri. G. G. Vaidya

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा
25 की उपधारा 1 के खंड (बी) के अन्तर्गत
श्री. बी. रमणी राज

Under Clause (b) sub-section 1 of
Section 25 of SBI (Subsidiary Banks) Act, 1959
Shri. B. Ramani Raj

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा
25 की उपधारा 1 के खंड (सी) के अन्तर्गत
श्री. एस. एन. सावईकर
श्री. आर. बी. श्रीवास्तवा
डा. एन. डी. जोशी
श्री. ए. एस. नारायण मूर्ति
श्री. वी. के. माधव मोहन

Under Clause (c) sub-section 1 of
Section 25 of SBI (Subsidiary Banks) Act, 1959
Shri. S. N. Sawaikar
Shri. R. B. Srivastava
Dr. N. D. Joshi
Shri. A. S. Narayana Moorthy
Shri. V. K. Madhava Mohan

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा
25 की उपधारा 1 के खंड (सी ए) के अन्तर्गत
श्री. के. श्रीनिवासन

Under Clause (c a) sub-section 1 of
Section 25 of SBI (Subsidiary Banks) Act, 1959
Shri. K. Srinivasan

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा
25 की उपधारा 1 के खंड (डी) के अन्तर्गत
श्री. जेकब चेरियान
डा. एन. मोहनकुमारन

Under Clause (d) sub-section 1 of
Section 25 of SBI (Subsidiary Banks) Act, 1959
Shri. Jacob Cherian
Dr. N. Mohanakumaran

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा
25 की उपधारा 1 के खंड (ई) के अन्तर्गत
श्री. एस. के. ठाकुर

Under Clause (e) sub-section 1 of
Section 25 of SBI (Subsidiary Banks) Act, 1959
Shri. S. K. Thakur

निदेशक बोर्ड

BOARD OF DIRECTORS



श्री. एम. एस. वर्मा
अध्यक्ष
Shri. M. S. Verma
Chairman



श्री. जी.जी. वैद्य
Shri. G. G. Vaidya



श्री. एस. एन. सावईकर
Shri. S. N. Sawaikar



श्री. बी. रमणी राज
Shri. B. Ramani Raj



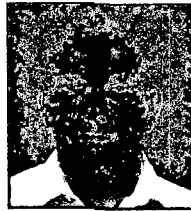
श्री. एस. के. ठाकुर
Shri. S. K. Thakur



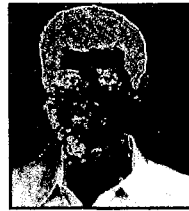
श्री. आर. बी. श्रीवास्तवा
Shri. R. B. Srivastava



श्री. ए. एस. नारायण मूर्ति
Shri. A.S. Narayana Moorthy



डा. एन. डी. जोशी
Dr. N. D. Joshi



श्री. जेकब चेरियान
Shri. Jacob Cherian



डा. एन. मोहनकुमारन
Dr. N. Mohanakumaran



श्री. वी. के. माधव मोहन
Shri. V. K. Madhava Mohan



श्री. के. श्रीनिवासन
Shri. K. Srinivasan

1

परिचालनगत परिवेश

1.1. राष्ट्रीय आर्थिक दृश्य

सामान्यतः 1997-98 के दौरान बृहत आर्थिक स्थिति संतुष्ट रहा। वर्ष के दौरान औसत मुद्रास्फीति दर पिछले साल 6.9% से घटाकर 5% हो गया। 1997-98 में सेवा क्षेत्र में 8.9% की मजबूत वृद्धि होने के बावजूद कृषि की वृद्धि दर में गिरावट और औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि में मंदी ने जी डी पी के संपूर्ण वृद्धि को 1996-97 के 7.5% से 1997-98 के 5% तक घटा दिया। वर्ष के दौरान कृषि उत्पादन विशेषकर खाद्यान्न और वाणिज्यिक फसल में गिरावट आई और 1996-97 में प्राप्त 9.3% की असाधारण वृद्धि के प्रति बुरा निष्पादन प्रस्तुत किया था। जहाँ तक औद्योगिक उत्पादन का मामला है 1996-97 में 7.1% और 1995-96 में 12.1% वृद्धि के मुकाबले सिर्फ 4.2% रहा।



भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 43(1)

के अन्तर्गत भारतीय स्टेट बैंक,
भारतीय रिज़र्व बैंक
एवं केन्द्र सरकार को निदेशक
बोर्ड की रिपोर्ट

रिपोर्ट अवधि

1 अप्रैल 1997 से 31 मार्च 1998

वर्ष के दौरान पूँजी बाज़ार में इक्विटी के प्राथमिक निर्गम के संबंध में मंदी हुई, देशी बाज़ार में अनिश्चितता और निवेशकों का घटाया विश्वास ने इक्विटी इकट्ठा करने में बाधा डाली। गैर सरकारी कंपनियों के प्राथमिक पब्लिक इश्यू द्वारा इकट्ठा की गयी राशि पिछले साल एकत्रित राशि के एक तिहाई से कम है। औद्योगिक वृद्धि काफी धीमी हुई और पूँजी बाज़ार की चमक दमक में कमी ने औद्योगिक सस्थाओं की आर्थिक स्थिति में प्रभाव डाला जो बाद में बैंकिंग क्षेत्र से ऋण की माँग और वसूली पर प्रभाव डाला।

कुछ दक्षिण पूर्व एशियाई व्यवस्था में आए कुछ परिवर्तन विनिमय बाज़ार में अस्थिरता लाया और वर्ष के दूसरे अर्ध में रुपए के विनिमय दर पर दबाव डाला। जनवरी 1998 में प्रारंभित मौद्रिक उपाय पैकेज विदेशी विनिमय बाजारों की अस्थिरता को रोकने में सफल हुआ।

**Report of the Board of Directors to
the State Bank of India,
the Reserve Bank of India and the
Central Government in terms
of Section 43(1) of
the State Bank of India
(Subsidiary Banks) Act, 1959**

Period covered by the Report
1st April 1997 to 31st March 1998

1

**OPERATING
ENVIRONMENT**

1.1 NATIONAL ECONOMIC SCENE

The macro economic situation during 1997-98 remained generally satisfactory. The average rate of inflation during the year fell to less than 5% from 6.9% in the previous year. Though the service sector posted a robust growth of 8.9% in 1997-98, a fall in the growth rate in agriculture and a slowdown in the growth of industrial production resulted in the overall growth of GDP decelerating to 5% in 1997-98 from 7.5% in 1996-97. Agricultural output, especially of foodgrains and commercial crops, witnessed a decline during the year and reflected a poor performance when viewed against the unusually high growth rate of 9.3% achieved in 1996-97. So far as the industrial output is concerned,

the growth in 1997-98 was only 4.2% against the growth of 7.1% in 1996-97 and 12.1% in 1995-96.

Considerable slowdown was witnessed during the year in respect of primary issues of equity in the capital market. Uncertainties in the domestic market and reduced investor confidence made it difficult to raise equity. The amount raised through primary public issues of non-Government public limited companies was less than a third of what was raised in the previous year. The slowdown in industrial growth and a lacklustre capital market affected the financial position of industrial enterprises, which, in turn, adversely affected both the demand for and recovery of credit from the banking sector.

The developments in some of the South East Asian economies gave rise to volatility in the exchange markets and exerted pressure on the exchange rate of the rupee in the second half of the year. The package of monetary measures introduced in January 1998 had successfully curbed the volatility in the foreign exchange markets.



1.2. केरल परिदृश्य

राज्य की अर्थ व्यवस्था जो देशी अर्थव्यवस्था को प्रतिबिंबित करता है, धीमी वृद्धि दिखायी। व्यवसाय बोध मंद रहा और कृषि मालों विशेषतः रबड़ के मूल्यों पर अपूर्व गिरावट कृषि क्षेत्र में कम वृद्धि लायी। निर्धारित किए अनुसार राज्य बजट में संस्थानिक निर्माण और राज्य के औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन मिलने की आशा है। फिर भी औद्योगिकीकरण की गति उस गति पर निर्भर करता है जिस पर आधारिक संरचना की योजना का निष्पादन हो।

1.3. बैंकिंग उद्योग के गतिविधियाँ

इस वर्ष के दौरान भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा आरम्भ किए गए विविध कार्य मुख्यतः यह सुनिश्चय करने के लक्ष्य से था कि ऋण की उपलब्धता अर्थव्यवस्था में उत्पादन की वृद्धि पर बाधा नहीं था। ये कार्रवाई सुनिश्चित करती है कि अतिरिक्त उत्पादन के वित्त पोषण के लिए ये उपाय उधार देने योग्य संसाधनों को बढ़ाने और बैंको की लाभप्रदता में नुकसान पहुँचाए बिना निधियों की लागत कम करने के लक्ष्य में किए हैं।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान भारिबैं द्वारा घोषित कुछ महत्वपूर्ण कार्यवाही निम्न हैं।

- 1) बैंक दर भारतीय रिज़र्व बैंक की नीति स्थिति को व्यक्त करने की संदर्भ दर के रूप में विकसित की गई है। वर्ष के दौरान बैंक दर चरणों में धटाकर 31 मार्च 1998 को 10.5% हो गयी।
- 2) पात्र सी आर आर शेषों पर ब्याज के भुगतान की प्रणाली को विवेकपूर्ण किया गया था।
- 3) एस एल आर का बहुविध निर्धारण को सरल बनाया

गया था और अब बैंको को अपने संपूर्ण माँग और मीयादी देयताओं पर 25% का एक समान एस एल आर बनाये रखने की आवश्यकता है।

4) 30 दिन और उससे अधिक अवधि की मियादी जमाओं पर ब्याज दर निर्धारित करने की स्वतंत्रता बैंकों को दी गई हैं बैंकों को लगर दरों से स्पष्टतः संबद्ध स्थायी अस्थायी दर का प्रस्ताव रखने की भी स्वतंत्रता है।

5) बैंको को एफ सी एन आर (बी) जमाओं पर ब्याज दर देने की अमुमति दी गई थी बशर्ते कि ये संबद्ध परिपक्वता और प्रचलन के पिछले हफ्ते के आखिरी कार्य दिवस को चालू लिबोर से अधिक नहीं होनी चाहिए।

6) 3 साल और उससे अधिक अवधि के मियादी ऋणों के लिए अलग पीएलआर उद्धृत करने का अधिकार बैंकों को दिया गया है।

1.4. ए एस सी बी निष्पादन

1996 - 97 के 71,780 करोड़ रुपयों (16.5%) की वृद्धि की तुलना में 1997 - 98 के दौरान अखिल अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की कुल जमाराशियों ने 95,749 करोड़ रुपयों (18.90%) की प्रभावोत्पादक वृद्धि दर्ज की। बैंकिंग प्रणाली के खाद्येतर ऋण वर्ष 1996 - 97 में 26,581 करोड़ रुपयों (10.9%) की वृद्धि की जगह वर्ष 1997 - 98 के दौरान 38,524 करोड़ रुपये (14.2%) तक बढ़ गया। बैंकों से वाणिज्यिक क्षेत्र को, खाद्येतर ऋण, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम और निजी कंपनी क्षेत्र द्वारा निर्गमित बांड/डिबेंचर/शेयर में और वाणिज्यिक कागजात में बैंक के निवेश सम्मिलित निधि का कुल प्रवाह 1997 - 98 के दौरान 51353 करोड़ रु (17.6%) तक बढ़ गया जो पिछले साल के 31,566 करोड़ रु (12.2%) से काफी ऊँचा है।

1.2 KERALA SCENARIO

The State's economy, reflecting the trend in the National economy, also witnessed a low growth. Business perceptions were not optimistic and the unprecedented fall in the prices of agricultural commodities, especially rubber, led to lower growth in the agricultural sector. The thrust on institutional build up and modernisation programmes, particularly in the industrial sector, as envisaged in the State Budget, is expected to give a fillip to the industrial development of the State. The pace of industrialisation, however, would continue to depend on the speed at which plans to develop infrastructure are executed.

1.3 DEVELOPMENTS IN BANKING INDUSTRY

The various measures introduced by the Reserve Bank of India during the year were mainly aimed at ensuring that the availability of credit was not a constraint on the growth of output in the economy. These steps ensured that sufficient liquidity was available to finance additional production. The measures aimed at expanding the lendable resources of banks and reducing the cost of funds without impairing the profitability of banks.

Some of the significant measures announced by RBI during the year under review were:

- 1) Bank rate was developed as a reference rate to signal the policy stance of the Reserve Bank of India. During the year, the Bank rate was reduced in stages and brought down to 10.5% as on 31st March, 1998.

- 2) The system of payment of interest on eligible CRR balances was rationalised.
- 3) The multiple prescriptions of SLR were simplified and banks are now required to maintain a uniform SLR of 25% on their entire net demand and time liabilities.
- 4) Freedom was extended to banks for determining the rates of interest on term deposits of 30 days and over. Banks were also given the freedom to offer a fixed rate or a floating rate clearly linked to an anchor rate.
- 5) Banks were permitted to offer interest rates on FCNR (B) deposits subject to the condition that these did not exceed the LIBOR prevailing on the last working day of the previous week for the relevant maturity and currency.
- 6) Banks were given the discretion to quote separate PLR for term loans of 3 years and above.

1.4 ASCB PERFORMANCE

The aggregate deposits of All Scheduled Commercial Banks recorded an impressive growth of Rs.95,749 crores (18.90%) during 1997-98 as compared with a growth of Rs.71,780 crores (16.5%) in 1996-97. The non-food credit of the banking system increased by Rs.38,524 crores (14.2%) during 1997-98 against the growth of Rs.26,581 crores (10.9%) in 1996-97. The total flow of funds from banks to the commercial sector, comprising non-food credit, banks' investments in bonds/debentures/shares issued by public sector undertakings and private corporate sector and commercial paper etc., increased by Rs.51,353 crores (17.6%) during 1997-98, which is substantially higher than the amount of Rs.31,566 crores (12.2%) in the previous year.

2

बैंक परिचालन

2.1 बैंक, केरल बैंकिंग क्षेत्र में, राज्य के ए एस सी. बी के कुल शाखा नेटवर्क के 17.27% बाज़ार शेयर, कुल जमा का 21.17%, एन आर आई जमा का 23.26% और अग्रिमों का 21.69% के साथ लगातार प्रमुख होता आ रहा है।

2.2 वर्ष के दौरान, बैंक ने विविध ग्राहकों की विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए समुचित नई योजनाएं प्रारंभ की।

ग्राहकों की वैयक्तिक और व्यापार सगंमेन्ट की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए और स्वर्ण के रूप में रखी गयी उनकी बचत को तरलता प्रदान करने के लिए एक नयी ऋण योजना 'लिव्किड गोल्ड' योजना (स्वर्ण की प्रतिभूति पर) प्रारंभ की थी। केरल के लघु जुताई क्षेत्र को ध्यान के लेते हुए कृषकों के लिए नई सम्मिश्र ऋण योजना 'होमस्टेड फार्मिंग' भी शुरू की गयी।

1997-98 के दौरान हमारी बीमा संबद्ध जमा योजना का

संशोधित रूप 'नव स्वर्ण वर्षा' और एक 'सप्त वर्षा' नामक एक दूसरी योजना जिस से जमाकर्ता को पूंजी लाभ कर से छुटकारा प्राप्त होता है, बाज़ार में पेश की थी। चालू वर्ष में इन योजनाओं को गहन विपणन प्रयासों द्वारा प्रचलित करके जारी रखने का प्रस्ताव करते हैं। इसके अलावा, चालू वर्ष में कुछ अन्य जमा/ऋण योजनाएं भी प्रारंभ करने का प्रस्ताव है।

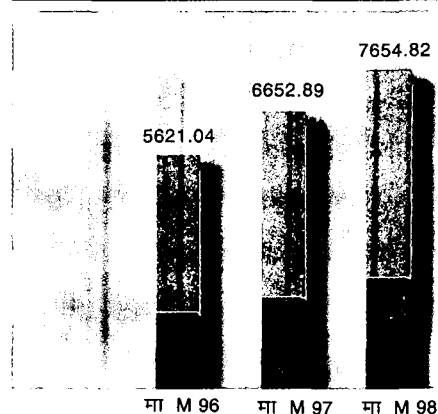
2.3 संसाधन संग्रहण

वर्ष के दौरान बैंक की कुल जमाएं (साखपत्र / गारन्टियों पर मार्जिन, स्टाफ सुरक्षा जमाएं आदि समेकित) 7654.82 करोड़ रु के स्तर तक पहुँचकर 1001.93 करोड़ रु (15.06%) की वृद्धि दर्ज की। समग्र जमाराशियाँ (अन्तर बैंक जमाओं को छोड़कर) 907.45 करोड़ रु (14.36%) बढ़कर 7226.41 करोड़ रु तक पहुँचीं। मार्च 1998 के अन्त में एन आर आई जमाएं बैंक की समग्र जमाराशियों का 38.71% रहा है।

2.4 ऋण विस्तार

वर्ष के दौरान कुल बकाया ऋण पिछले वर्ष के स्तर से

कुल जमाएं (रु. करोड़ों में) TOTAL DEPOSITS (Rs. in crores)



देशी	Domestic	64.67%	64.56%	63.46%
एन आर आई	NRI	35.33%	35.44%	36.54%

जमा मिश्रण DEPOSIT MIX

